नगरवासियों ने की मंगल भावना व रतनगढ़ चार्तुमार्स की अर्ज

रतनगढ 21 जनवरी

आदमी ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करता ही रहता है। वह ज्ञान प्राप्त करने के लिए देश विदेश जाता है। ज्ञान शिक्षा का महत्वपूर्ण अंग है और बुद्धि का अपना महत्व है। बुद्धि निर्मलता का प्रतीक है, आदमी बुद्धि को सही मार्ग पर लगाये। पहला ज्ञान अहिंसा के जीवन जीने के पथ पर चलने का प्रयास है यही सच्चा ज्ञान है उक्त जनोपयोगी प्रवचन राष्ट्रसंत आचार्य महाश्रमण ने गोलछा ज्ञान मंदिर के प्रागण में आयोजित मंगल भावना समारोह में दिया। अन्होनें कहा कि दूसरों को सताना बुरा है हिंसा करना गलत है। जिस ज्ञान से व्यक्ति राग से विराग की और बढ़े वही ज्ञान सार्थक है। दुःख का मूल कारण राग है। राग से दुःख ही प्राप्त हो सकता है, त्याग के समान कोई सुख नहीं। आचार्य महाश्रमण ने बताया कि भौतिक पदार्थों से अल्पकाल तक सुख मिलता है। इनके त्याग से ही सुख सम्भव है। जैसे हवा को वश में करना कठिन है वैसे ही मन को वंश में करना कठिन है। परन्तु अभ्यास और वैराग्य के द्वारा मन को वंश में किया जा सकता है। उन्होनें बताया कि आदमी राग से विराग, मनोरंजन से आत्मरंजन की ओर भावना आनी चाहिए। यही साधना करें तो आत्म शांति मिलती है। शांति का मूल स्त्रोत्र आदमी के मन में ही हैं। ज्ञान वह है जिस से आदमी कल्याण का पथ पकडे, चिन्त में मैत्री भावना हो और विराग जाग्रत हो।

कार्यक्रम की शूरूआत महिला व कन्या मण्डल के मंगल गीत से हुई तेरापंथ युवक परिषद के सदस्य, समिति के अध्यक्ष बुद्धमल दूगड़, कार्यकारी अध्यक्ष जोधराज बैद, महामंत्री डालमचन्द बैद, समिति हुलासमल दूगड, के सहमंत्री मिडिया प्रभारी रणजीत दूगड, उपखण्ड अधिकारी के.के. गोयल, पालिकाध्यक्ष शिवभागवान कम्मा ने आचार्य श्री महाश्रमण के प्रति मंगल भावना प्रकट करते हुए रतनगढ में चातुर्मास करने की पूरे जोर से अर्ज की। चातुर्मास की अर्ज पर प्रवचन पडांल में बैठे हजारों नगरवासियों ने खड़े होकर उॅ अंर्ह की ध्वनी से पंडाल को गुंजायमान कर दिया और यहां चातुर्मास हो यह मंशा प्रकट की। समिति के पदाधिकारियों ने सभी सहयोगियों का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक मनोहर सिंह, थाना प्रभारी इस्लाम खान, पूर्व पालिकाध्यक्ष सन्तोष बाबू इन्दौरिया, पालिका अधिशाषी अधिकारी लक्ष्मीनारायण चौधरी, विधायक अमराराम, संघ सेवी कमल दूगड़ व समीति के सदस्यों ने प्रमुख व्यक्तियों को प्रतीक चिन्ह–दुपट्टा देकर सम्मानीत किया। कलकता से आये फारवर्ड ब्लाक के महामंत्री श्री देवराजन ने मलियालम भाषी होने के बावजूद मर्म की बात पकडी और बताया भाई कमल दूगड ने मुझे यहा आमन्त्रित करके मुझे अध्यात्म का एक नया रास्ता दिखाया है। कार्यक्रम का संचालन भवरलाल सिंघी ने किया।

रणजीत दूगड़
संयोजक मीडिया समिति
00919831017467
rs_dugar@yahoo.com